36630

[This question paper contains 2 printed pages.]

**Your Roll No.....**

आपका अनुक्रमांक.....

**Sr. No. of Question Paper : 3303** **A**

Unique Paper Code : 12101401 (CORE)

Name of the Paper : Text of Indian Philosophy (LOCF)

Name of the Course : **B.A. (Hons.)**

Semester : IV

Duration : 3.5 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt any **five** questions. **All** questions carry equal marks.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दें। **सभी** के अंक समान हैं।
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. What is the Significance of the study of Valid Cognition (*Samyagjñāna*)? Explain.

**सम्यग** ज्ञान के अध्ययन का क्या महत्व है? समझाइए।

P.T.O.

2. Explain "*Tatra Kalpanāpoḍhamabhrāntam Pratyakṣam*" in the context of *Nyāyabindutīkā*.

न्यायबिन्दुटीका के संदर्भ में "तत्र कल्पनापोढमऽभ्रान्तमप्रत्यक्षम्" की व्याख्या कीजिए।

3. Elucidate "Direct Cognition itself is the result of Cognizing" in the context of *Nyāyabindutīkā*.

न्यायबिन्दुटीका के परिप्रेक्ष्य में "प्रत्यक्ष ज्ञान ही प्रमाणफल है" का विश्लेषण कीजिए ।

4. Explain Jayanta Bhatta's critique of the Buddhist view of the relation of Invariable Concomitance based upon the Laws of Identity and Causality.

जयन्त भट्ट के अनन्यता और कारण-कार्य के नियमों के आधार पर अपरिवर्तनीय संयोग के संबंध में बौद्ध दृष्टिकोण की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए ।

5. The relation of word and its meaning is original, inborn, independent of any other means of cognition. Analyse with reference to *Śābarabhāṣya*.

शब्द और अर्थ का सम्बन्ध स्वाभाविक, स्वतः उत्पन्न और ज्ञान के अन्य सभी स्रोतो से स्वतंत्र है । शाबरभाष्य के संदर्भ में विश्लेषण कीजिए ।

6. Give a detailed account of Jaina theory of *Naya* with to reference *Syādvādamañjarī*

स्याद्वादमञ्जरी के संदर्भ में जैन के नय सिद्धांत का विस्तृत विवरण दीजिए ।

7. Write Short Notes on any **two** of the following:

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए:

a) *Pūrvavat-Śeṣavat*(*Nyāyamañjarī*)

पूर्ववत-शेषवत (न्यायमञ्जरी)

b) Partial Knowledge (*Syādāvdmañjarī*)

सापेक्ष ज्ञान (*Syadāvdmañjarī*)

c) *Arthvāda* (*Śābarabhāṣya*)

अर्थवाद (शाबरभाष्य)

d) *Samānyatodṛsta*(*Nyāyamañjarī*)

समान्यतोदृष्ट (न्यायमञ्जरी)

(1200)

S.No - 3468

| | |
|---|---|
| Unique Paper Code: | **12101402** |
| Name of the Paper: | **Text of Western Philosophy** |
| Name of the Course: | **B.A. (H)** |
| Semester: | **IV** |
| Duration: | **3.5 Hours** |

Maximum Marks: **75**

**Instructions for Candidates**

1. Attempt any **five** questions.
2. **All** questions carry equal marks.
3. Answers may be written **either** in English **or** Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**उम्मीदवारों के लिए निर्देश**

1. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
2. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
3. उत्तर हिन्दी या अंग्रज़ी **किसी** एक माध्यम में लिखे जा सकते हैं; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम सामान होना चाहिए।

1) How Richard Rorty substantiates his claim that "edifying philosophy aims at continuing a conversation rather than at discovering the truth". Explain.

**1) रिचर्ड रॉर्टी अपने इस दावे की पुष्टि कैसे करते हैं कि "दर्शन को संपादित करने का उद्देश्य सत्य की खोज के बजाय बातचीत जारी रखना है"। समझाए।**

2) Elaborate on the distinction between Systematic Philosophy and Edifying Philosophy, according to Rorty.

**2) रोर्टी के अनुसार व्यवस्थित दर्शन और संपादन दर्शन के बीच के अंतर पर विस्तार से बताएं।**

3) Illustrate Nagel's 'analysis of reasoning' concerning the introduction of his book "The Last Word".

**3) अपनी पुस्तक "द लास्ट वर्ड" की शुरुआत के संबंध में नागेल के 'तर्क का विश्लेषण' को चित्रित करें।**

4) How would you respond to Nagel's assertion that all criticisms of reason will ultimately run out or exhaust themselves? Respond according to the introduction of his book 'The Last Ward".

**4) आप नागेल के इस दावे पर कैसे प्रतिक्रिया देंगे कि तर्क की सभी आलोचनाएँ अंततः समाप्त हो जाएँगी या समाप्त हो जाएँगी? उनकी पुस्तक 'द लास्ट वार्ड' के परिचय के अनुसार उत्तर दें।**

5) What is idealism? Explain Fichte's idealistic philosophical view on consciousness as a self-reflective entity?

5) आदर्शवाद क्या है? आत्म-चिंतनशील इकाई के रूप में चेतना पर फिचटे के आदर्शवादी दार्शनिक दृष्टिकोण की व्याख्या करें?

6) What does Fichte say about absolute ego? Explain.

6) फिचटे पूर्ण अहंकार के बारे में क्या कहता है? समझाए।

7) Explain Nietzche's perspective views.

7) नीत्शे के दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

8) Nietzsche in his book "Beyond good and evil", talked about the prejudices of philosophers? Explain it.

8) नीत्शे ने अपनी पुस्तक "बियॉन्ड गुड एंड एविल" में दार्शनिकों के पूर्वाग्रहों के बारे में बात की है? इसे समझाओ।

9) What is thought-provoking thought? Explain Martin Heidegger's view?

9) विचारोत्तेजक विचार क्या है? मार्टिन हाइडेगर के दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए।

10) What is called thinking? Explain it in the light of Heidegger's perspective.

10) चिंतन/ विचारधारा किसे कहते हैं? हाइडेगर के परिप्रेक्ष्य में इसकी व्याख्या करें

B.A (Hons.) Philosophy, IV Sem
June 2022

[This question paper contains 4 printed pages.]

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 3018** **A**

Unique Paper Code : 12101601

Name of the Paper : Philosophy of Religion (Indian and Western)

Name of the Course : **B.A. (Hons) Philosophy.**

Semester : VI

Duration : 3.5 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any **five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

3. सभी प्रश्नों के समान अंक हैं।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. Discuss the relation between Religion and Philosophy of religion.

धर्म और धर्म-दर्शन के बीच संबंध पर चर्चा करें।

2. Critically examine the Ontological Argument given as a proof for the existence of God.

ईश्वर के अस्तित्व के प्रमाण के रूप में दिए गए प्रत्ययसत्ता तर्क का समालोचनात्मक परीक्षण करें।

3. Examine the problem of Religious Language.

धार्मिक भाषा की समस्या का परीक्षण कीजिए।

4. What do you understand by religious diversity? Explain.

धार्मिक विविधता से आप क्या समझते हैं ? व्याख्या करें।

5. Explain the way religion tries to address the challenges of science.

व्याख्या कीजिए कि धर्म किस प्रकार विज्ञान की चुनौतियों का समाधान करने का प्रयास करता है।

6. What is Evidentialism? Explain with reference to Clifford's 'Ethics of Belief'.

प्रमाणवाद क्या है ? क्लिफर्ड के 'विश्वास की नैतिकता' के संदर्भ में व्याख्या कीजिए।

7. Examine the concept of Bhakti.

भक्ति की अवधारणा की परीक्षण करें।

8. Discuss the importance of Dharma in the life of an individual according to Purva Mimamsa.

पूर्व मीमांसा के अनुसार व्यक्ति के जीवन में धर्म के महत्व की चर्चा कीजिए।

9. Discuss the debate between Russell and Copleston on the existence of God.

रसेल और कोप्लेस्टन के बीच ईश्वर के अस्तित्व पर वाद-विवाद की चर्चा करें।

10. Write short notes on any **two** :

**किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए :

(i) Five ways of Aquinas

एक्विनास के पांच तरीके ।

(ii) Teleological Argument

प्रयोजन मूलक युक्ति ।

(iii) Shankar on Brahman

ब्रह्म पर शंकर ।

(iv) The concept of Isvara

ईश्वर की अवधारणा ।

[This question paper contains 4 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**आपका अनुक्रमांक.....**

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

**Sr. No. of Question Paper : 3019** **B**

Unique Paper Code : 12321601

Name of the Paper : Modern Political Philosophy

Name of the Course : **B.A. (Hons.)**

पाठ्यक्रम का नाम : **बी.ए. (ऑनर्स)**

Semester / Annual : VI

सेमेस्टर / वार्षिक

Duration : 3.30 Hours Maximum Marks : 75

समय : 3.30 घण्टे पूर्णांक : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **Any Four** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

P.T.O.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं **चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिये।
3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं।
4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

1. 'Enlightenment is man's emergence from his self-incurred tutelage". Explain the statement in the context of Kant's views on Enlightenment.

'मनुष्य का स्व-अर्जित संरक्षण से उभरना ही प्रबोधन है'। प्रबोधन के सम्बन्ध में कांट के विचारों के संदर्भ में इस कथन की व्याख्या कीजिए।

2. Discuss the importance of Mary Wollstonecraft's A Vindication of the Rights of Women in the context of 18th Century Feminism.

18वीं शताब्दी के नारीवाद के संदर्भ में मैरी वोलस्टोनक्राफ्ट की रचना 'अ विंडीकेशन ऑफ़ द राइट्स ऑफ़ वीमेन' के महत्व की विवेचना कीजिए।

3. Critically analyse Rousseau's views about Inequality.

असमानता के सम्बन्ध में रूसो के विचारों का आलोचनात्मक विश्लेषण कीजिए।

4. Ernest Barker called J. S. Mill a 'prophet of empty liberty'. Do you agree? Explain.

अर्नेस्ट बार्कर ने जे. एस. मिल को 'खोखली स्वतंत्रता का पैगंबर' कहा है। क्या आप इससे सहमत हैं ? व्याख्या कीजिए।

5. 'The history of all hitherto existing society is the history of class struggles'. Discuss the statement in the light of Marx's theory of historical materialism.

'अभी तक मौजूद सभी समाजों का इतिहास वर्ग संघर्षों का इतिहास रहा है'। मार्क्स के ऐतिहासिक भौतिकवाद के सिद्धांत के प्रकाश में इस कथन की विवेचना कीजिए।

6. Hegel considers the realm of state to be the realm of universal altruism. Explain.

हेगेल राज्य के क्षेत्र को सार्वभौमिक परोपकारिता (universal altruism) का क्षेत्र मानते हैं। व्याख्या कीजिए।

7. Do you agree with C. L. Wayper that Mill was 'a reluctant democrat'? Discuss in the context of Mill's views on Representative Government.

क्या आप सी. एल. वेपर के इस कथन से सहमत हैं कि मिल 'एक अनिच्छुक लोकतंत्रवादी' थे ? प्रतिनिधि सरकार पर मिल के विचारों के संदर्भ में इस कथन की विवेचना कीजिए।

8. Short Notes (Answer Any **Two**) :

संक्षिप्त टिप्पणी। (किन्हीं **दो** का उत्तर दीजिए) :

(a) Marx's views about the role of State in Capitalist and Socialist Societies.

पूंजीवादी और समाजवादी सामाजों में राज्य की भूमिका के सम्बन्ध में मार्क्स के विचारों।

(b) Rousseau's views on Social Contract

सामाजिक अनुबंध पर रूसो के विचार

(c) Mill's views on Utilitarianism

उपयोगितावाद पर मिल के विचार

(d) Wollstonecraft's views on Morality

नैतिकता पर वोलस्टोनक्राफ्ट के विचार

[This question paper contains 4 printed pages.]

**Your Roll No.....**

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

**Sr. No. of Question Paper : 3229**

**A**

Unique Paper Code : 12107605

Name of the Paper : Indian Theories of Consciousness

Name of the Course : **B. A. Hons. Philosophy**

Semester : VI

Duration : 3 Hours 30 minutes Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **any five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें।

P.T.O.

3. सभी प्रश्नों पर समान अंक हैं।

4. उत्तर अंग्रेजी या हिंदी में लिखे जा सकते हैं। लेकिन पूरे पेपर में एक ही माध्यम का इस्तेमाल किया जाना चाहिए।

1. How does the determination of the meaning of Aum helps in the realization of the essential nature of *Ātman*? Discuss with reference to *Māṇḍūkya Upaniṣad.*

   ओम् के अर्थ का निर्धारण आत्मन की आवश्यक स्वरूप की प्राप्ति में कैसे मदद करता है? माण्डूक्य उपनिषद के संदर्भ में चर्चा कीजिए।

2. Discuss the nature of Soul according to the Bhagvadgita.

   भगवद्गीता के अनुसार आत्मा के स्वभाव की चर्चा करें।

3. ".... Oh king, give such a name as Nāgasena, or Suresana, or Virasena, or Sihasena, yet this, Sir-Nāgasena and so on-is only a generally understood term, a designation in common use. For there is no permanent individuality (no soul) involved in the matter." In this context analyze the essence of the dialogue between King Milinda and Nāgasena on No-Soul theory (*Anātmavada*).

''.....हे राजन्, इस तरह का नाम देना जैसे नागसेन, या सुरसेन, या वीरसेन, या सिहसेन, फिर भी यह, श्री नागसेन आदि केवल सामान्य रूप से समझे जाने वाला पद है, सामान्यरूप से उपयोग में आते हैं। क्योंकि कोई नित्य आत्मा पुद्गल में नहीं है''। नागसेन और मिलिंद के इस संवाद के संदर्भ में अनात्मवाद का विश्लेषण कीजिए।

4. Discuss Cārvāka's views on the body is the self(*dehatmavāda*) and its criticism by Naiyāyikas with reference to Jayanta Bhaṭṭa's Nyāya Mañjari.

''शरीर ही आत्मा है।''- चार्वाक के इस मत का विवेचन कीजिए तथा इस मत की न्याय द्वारा जयंत भट्ट की न्यायामंजरी में की गई आलोचना की चर्चा कीजिये।

5. How is the notion of superimposition (Adhyāsa) explained by Śaṃkarāchārya in his *Brahmasūtrabhāśya*? Explain.

शंकराचार्य द्वारा ब्रह्मसूत्रभाष्य में अध्यास की धारणा को कैसे समझाया गया है? विवेचना कीजिये।

6. Explain the nature of soul according to Jainas as discussed in Umasvati's Tattvārtha Sūtra.

उमास्वती के तत्वार्थ सूत्र में वर्णित जैनों के अनुसार आत्मा की प्रकृति की व्याख्या करें।

P.T.O.

7. "And, therefore, because (the puruṣa) is the opposite (of the unmanifest), it is established that puruṣa is a witness; possessed of isolation or freedom; indifferent; a spectator; and inactive". Explain the nature of puruṣa as discussed in Iśvarakrishna's Sāmkhyakārikā.

"और, इसलिए, क्योंकि (पुरुष) विपरीत (अव्यक्त के) है, यह स्थापित होता है कि पुरुष साक्षी है, पृथकत्व या स्वतंत्रता का स्वामी, उदासीन, एक दर्शक, और निष्क्रिय है "। ईश्वरकृष्ण की सांख्यकारिका के अनुसार पुरुष के स्वरूप की व्याख्या करें।

8. Write short notes on any two of the following:

(1) Niskāma karmayoga of the Bhagvadgitā

(2) Significance of karma in Tattvārthasutra

(3) Proofs for the existence of Purusa in sāmkhyakarikā

निम्नलिखित में से **किन्हीं दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये।

(1) भगवद गीता का निष्काम कर्म योग

(2) तत्त्वार्थसूत्र में कर्म का महत्व

(3) सांख्यकारिका में पुरुष के अस्तित्व के लिए दिए गए प्रमाण

[This question paper contains 4 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 3401** **A**

Unique Paper Code : 12107605

Name of the Paper : Indian Theories of Consciousness

Name of the Course : **B.A. Hons. Philosophy**

Semester : VI

Duration : 3 hours 30 minutes Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Answer any **Five** questions.
3. Every questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।

P.T.O.

2. किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दें ।

3. सभी प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. Discuss the notion of Self with reference to the different states of consciousness in *Māndukya Upaniṣad*.

   माण्डूक्य कारिका के सन्दर्भ में आत्मा की अवधारणा की विवेचना कीजिये ।

2. "O Arjun, the soul that dwells within the body is immortal; therefore, you should not mourn for anyone" (B.G. 2.30). Discuss.

   हे अर्जुन! वह आत्मा जो शरीर में निवास करती है, वह अमर है । अत: तुझे किसी के लिए शोक नहीं करना चाहिए । विवेचना कीजिये ।

3. Discuss the central thesis of no-soul that emerges in the dialogues between Nāgasena and King Milinda.

   नागसेना और राजा मिलिंदा के संवाद से अनात्मवाद की जो मुख्य अवधारणा उत्पन्न होती है उसकी विवेचना कीजिये ।

4. What is the Jaina theory of soul and matter? Discuss with reference to the text *Tattvārtha Sūtra.*

जैन दर्शन में आत्मा और तत्त्व की धारणा क्या है ? तत्त्वार्थ सूत्र के सन्दर्भ में विवेचना कीजिये।

5. Discuss the role of Purusa in Sāṁkhya dualism.

सांख्य द्ववैतवाद में पुरूष की भूमिका की विवेचना कीजिये।

6. Discuss Carvaka's views on 'the body is the self (Dehamtavada) and its criticism by Naiyayikas with reference to Jayanta Bhatta's Nyaya Manjari.

"शरीर ही आत्मा है।" - चार्वाक के इस मत का विवेचन कीजिए तथा इस मत की न्याय द्वारा जयंत भट्ट की न्यायामंजरी में की गई आलोचना की चर्चा कीजिये।

7. Write an essay on the concept of '*adhyāsa*' (superimposition) with reference to Samkara's *Brahmasutra Bhāsya.*

शंकर के ब्रह्मसूत्र भाष्य क सन्दर्भ में 'अध्यास' की अवधारणा पर निबंध लिखिए।

8. Write short notes on any **two** of the following :

(i) Niskama karmayoga of the Bhagvadgitā

(ii) Five different kinds of bodies in Jainism

(iii) Proofs for the existence of *Puruṣa* in *Sāṁkhyakarikā*

निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिये -

(i) भगवद गीता का निष्काम कर्म योग

(ii) जैन धर्म में पाँच प्रकार के शरीर

(iii) सांख्यकारिका में पुरूष के अस्तित्व के लिए दिए गए प्रमाण

[This question paper contains 4 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 3402** **A**

Unique Paper Code : 12107606

Name of the Paper : Knowledge and Scepticism

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy**

Semester : VI

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **any five** questions.
3. **All** questions carry equal marks.
4. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।
2. किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें ।

P.T.O.

3. **सभी** प्रश्नों के अंक समान हैं ।

4. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए ।

1. What are the basic requirements of Knowledge? How is knowing different from merely getting it right?

   ज्ञान की मूल आवश्यकताएं क्या हैं? जानना किस तरह महज सही हो जाने से भिन्न है?

2. Discuss Gettier's examples from 'Is Justified True Belief Knowledge?' which show that the traditional definition of knowledge does not state a sufficient condition for knowing a proposition. Construct your own Gettier type example by the method shown by Pritchard.

   क्या उचित सच्चा विश्वास ज्ञान है? से गेटिएर के उन उदाहरणों की विवेचना करें जो बताते हैं कि ज्ञान की परंपरागत परिभाषा किसी प्रतिज्ञप्ति को जानने के लिए पर्याप्त शर्त नहीं बताती है. प्रिचार्ड की विधि से अपना गेटिएर जैसा उदहारण बनायें.

3. Explain with example why the proposal 'true belief must not in any way be based on false presuppositions' is not a successful response to Gettier problem.

   उदाहरणसहित व्याख्या कीजिये कि गेटिएर समस्या के लिए 'सच्चा विश्वास किसी भी प्रकार से झूठी पूर्वधारणा पर आधारित न हो' का प्रस्ताव क्यों सफल नहीं है.

4. Write an essay on Agrippa's Trilemma.

   अग्रिप्पा के त्रिलंमा (त्रिधापाश) पर एक निबंध लिखें.

5. What is the argument from analogy? Discuss the problems for this argument.
   सादृश्यता का तर्क क्या है? इस तर्क से जुडी समस्याओं का विवेचन कीजिये.

6. Explain the two versions of the problem of other minds.

अन्य मन की समस्या के दो संस्करणों की व्याख्या करें.

7. What is the sceptical hypothesis? How does the sceptic use the Closure Principle in support of his hypothesis?

संशयवादी परिकल्पना क्या है? संशयवादी क्लोज़र के सिद्धांत का उपयोग अपनी परिकल्पना के समर्थन में किस प्रकार करता है?

8. Critically analyse the Moorean approach to scepticism. Illuminate the safety principle in this context.

संशयवाद के प्रति मूरियन दृष्टिकोण की आलोचनात्मक समीक्षा कीजिये. इस सन्दर्भ में सेफ्टी प्रिंसिपल (सुरक्षा सिद्धांत) पर प्रकाश डालें.

9. Discuss in detail Contextualism as a theory for resolving the sceptical problems.

संशयवादी समस्याओं के समाधान के तौर पर प्रासंगिकता के सिद्धांत की विवेचना करें.

10. Write short notes on any two of the following:

निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिपण्णी लिखें:

a. The Sensitivity Principle
संवेदनशीलता का सिद्धांत

b. Distinctions in scepticism according to Vogel
वोगेल के अनुसार संशयवाद के भेद

c. Foundationalism
आधारवाद

d. The Problem of Criterion
मापदंड की समस्या

(8)

[This question paper contains 4 printed pages.]

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

**Your Roll No.....**

**Sr. No. of Question Paper : 3484** **A**

Unique Paper Code : 12101602

Name of the Paper : Philosophy of Language (Indian and Western)

Name of the Course : **B.A. (Hons.) Philosophy (CBCS-LOCF)**

Semester : VI

Duration : 3.5 Hours Maximum Marks : 100

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt total **5** questions by taking at least **one** question from each unit.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

छात्रों के लिए निर्देश

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

P.T.O.

2. प्रत्येक इकाई से कम से कम एक प्रश्न लेकर कुल 5 प्रश्नों का उत्तर दें।

3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

## Unit I

1. How does Frege distinguishes 'Sinn' from 'Bedeutung'? Explain.

   फ्रेगे किस प्रकार 'सिन' को 'बेदेउतुंग' से अलग करता है? व्याख्या कीजिये।

2. Explain how Russell's theory analyzes sentences containing definite descriptions, rather than the descriptions themselves.

   स्पष्ट कीजिये कि कैसे रसेल का सिद्धांत स्वयं डेस्क्रिप्शन्स के बजाय डेफिनिट डेस्क्रिप्शन्स वाले वाक्यों का विश्लेषण करता है।

3. In his article 'On Denoting', how does Russell shows that his theory of meaning is superior to the theories of Frege and Meinong? Discuss.

   ओन डेनोटिंग में रसेल कैसे दिखाता है की उनके द्वारा प्रस्तुत किये गए थ्योरी ऑफ मीनिंग फ्रेगे और मैंनोंग के थ्योरी से बेहतर है? विवेचना कीजिये।

## Unit II

4. Examine the arguments given by Strawson to prove that Russell's solution to the problem of logically proper names and definite descriptions is mistaken.

स्ट्रॉसॉन द्वारा प्रतिपादित उन तर्कों की परीक्षा कीजिए जो प्रॉपर नेम्ज और डेफिनिट डिस्क्रिप्शन के संदर्भ में रसेल के दिए गए समाधान को त्रुटिपूर्ण स्थापित करता है।

5. "One of the main puropses for which we use language is the purpose of stating facts about things and persons and events." How did strwason argues in favour of this? Discuss.

"भाषा के उपयोग करने का मुख्य उद्देश्य में से एक यह हैं चीजों और व्यक्तिओं और घटनाओं के बारे में तथ्यों को बताना" स्ट्रवासन ने इसके पक्ष में किस प्रकार तर्क दिया? विवेचन कीजिये।

6. Explain in detail the two uses of definite descriptions given by Donnellan.

डॉनेलन द्वारा प्रतिपादित डेफिनिट डिस्क्रिप्शंज के दो उपयोगों की विस्तृत व्याख्या कीजिए।

## Unit III

7. Write an essay on the division of words according to Nyāya-siddhānta-muktāvali.

P.T.O.

न्याय-सिद्धांत-मुक्तावली के शब्द विभाजन पर एक निबंध लिखिए।

8. Explain in detail the eight means of knowing the denotative function.

शक्ति जानने के आठ साधनों की विस्तार से व्याख्या कीजिए।

9. Explain the different kinds of Implication.

लक्षणा के विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

## Unit IV

10. Explain the four causes of verbal knowledge.

शाब्दज्ञान के चार कारण बताइए।

11. Explain why the Navya-Nyāya does not consider semantic competency as a cause of verbal knowledge.

स्पष्ट करें कि नव्य-न्याय योग्यता को शाब्दज्ञान का कारण क्यों नहीं मानते हैं?

12. Examine the debate between *Nyāya* and *Vaisesika* on *tātparya*.

तात्पर्य पर न्याय और वैशेषिक के वाद-विवाद की परीक्षा कीजिए।

[This question paper contains 6 printed pages.]

**Your Roll No.....**

**आपका अनुक्रमांक.....**

Shyama Prasad Mukherji College LIBRARY New Delhi

**Sr. No. of Question Paper : 3505** **A**

Unique Paper Code : 12101403

Name of the Paper : Truth Functional Logic

Name of the Course : **B.A (Hons.) Philosophy**

Semester / Annual : IV

Duration : 3.5 Hours Maximum Marks : 75

**Instructions for Candidates**

1. Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.
2. Attempt **all** questions.
3. Answers may be written either in English or Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

**छात्रों के लिए निर्देश**

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।
2. **सभी** प्रश्नों का उत्तर दीजिये।
3. इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए, लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

P.T.O.

1. (a) Determine the Validity/Invalidity of **any one** of the following argument form by Truth Table Method: (5)

निम्नलिखित युक्तियों में से **किसी एक** की वैधता/अवैधता सत्यता सारणी विधि द्वारा निर्धारित करें :

$p \supset (q \bullet r)$

$/\therefore \sim (q \bullet r) \supset \sim p$

**OR**

$p \vee (q \supset \sim p)$

$p \vee r \qquad /\therefore \sim (q \supset \sim r)$

(b) Determine the logical status of **any one** of the following: (5)

निम्नलिखित में से **किसी एक** प्रतिग्यप्ति आकार की तार्किक स्थिति निर्धारित करें:

$[(p \supset q) \supset r] \equiv [p \supset (q \supset r)]$

**OR**

$[p \supset (q \supset r)] \supset [(p \bullet q) \supset r]$

2. (a) Symbolize **any four** of the following: (4)

निम्नलिखित में से **किन्हीं चार** को प्रतीकों में लिखें।

i) It is not the case that neither Iran nor Libya raises the price of oil. (I, L)
ऐसा नहीं है कि न तो ईरान और न ही लीबिया ने तेल की कीमत बढ़ाई।

ii) The car runs only if there is fuel in the tank. (R, F)
कार चलती है केवल यदि टैंक में ईंधन हो।

iii) Ozone depletion in the atmosphere is a sufficient condition for increased cancer rates. (O, C)
वातावरण में ओजोन की कमी पर्याप्त स्थिति है कैंसर की बढ़ी हुई दरों के लिए।

iv) You will get admission provided you score well in examination. (A, W)
आपको प्रवेश मिलेगा बशर्ते आपने परीक्षा में अच्छा स्कोर किया हो।

v) Both Jaguar and Porsche do not make motorcycles. (J, P)
दोनों जगुआर और पोर्श मोटरसाइकिल नहीं बनाते हैं।

vi) A glider wins if and only if he is lucky. (G, L)
एक ग्लाइडर जीतता है यदि और केवल यदि वह भाग्यशाली हो।

(b) Prove the validity/invalidity of **any one** of the following by Reductio-ad-absurdum method: (5)

रिडक्टियो-ऐड-एब्सर्डम विधि द्वारा निम्नलिखित की वैधता/अवैधता सिद्ध करें।

$p \supset (q \vee r)$
$p \supset \sim q$
$/\therefore p \vee r$

**OR**

$(E \supset F) \cdot (G \supset H)$
$\sim F \vee \sim G$
$/ \therefore \sim E \vee \sim H$

3. (a) Rewrite the following into **stroke function**: (3)

निम्नलिखित को स्ट्रोक फ़ंक्शन में फिर से लिखें।

$(\sim q \supset \sim p) \supset (\sim s \supset \sim r)$

(b) Rewrite the following in terms of **negation and dot** $(\sim, \cdot)$: (3)

निम्नलिखित को **$(\sim, \cdot)$** के संदर्भ में फिर से लिखें:

$r \supset (p \supset q)$

4. (a) Construct a formal proof of validity of **any one** of the following by using suggested notation: (7)

सुझाए गए संकेतन का उपयोग करके निम्नलिखित में से **किसी एक** की वैधता का आकारिक प्रमाण तैयार करें:

i) If either Saudi Arabia raises the price of oil or Saudi Arabia does not raise the price of oil, then America will be in great difficulties. Therefore, America will be in great difficulties. (S, A)
यदि या तो सऊदी अरब तेल की कीमत बढ़ाता है या सऊदी अरब तेल की कीमत नहीं बढ़ाता है, तो अमेरिका को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा। इसलिए अमेरिका को बड़ी मुश्किलों का सामना करना पड़ेगा

**OR**

ii) $(P \supset Q) \cdot (R \supset S) /\therefore (P \vee R) \supset (Q \vee S)$

5. Using the strengthened rule of Conditional proof, construct a proof of validity for **any one** of the following: (6)

सोपाधिक प्रमाण के सशक्त नियम का उपयोग करते हुए, निम्नलिखित में से **किसी एक** के लिए वैधता का प्रमाण की संरचना करे :

$E \supset (F \supset G)$
$H \supset (G \supset I)$
$(F \supset I) \supset (J \vee \sim H) \quad / \therefore (E \bullet H) \supset J$

**OR**

$(A \vee B) \supset (C \bullet D)$
$\sim A \supset (E \supset \sim E)$
$\sim C \quad / \therefore E \supset \sim E$

6. Construct an Indirect Proof of **any one** of the following: (6)

निम्नलिखित में से **किसी एक** की अप्रत्यक्ष प्रमाण की संरचना करे :

$H \supset (L \supset K)$
$L \supset (K \supset \sim L) \quad / \therefore \ \sim H \vee \sim L$

**OR**

$(F \vee G) \supset (D \bullet E)$
$(E \vee H) \supset Q$
$F \vee H \quad / \therefore \ Q$

7. Using Truth Tree Method test the validity/invalidity of **any one** the following: (6)

ट्रुथ ट्री विधि का उपयोग करके निम्नलिखित में से **किसी एक** की वैधता/अवैधता का परीक्षण करें:

$\sim M \supset (N \bullet O)$
$N \supset P$
$O \supset \sim P \quad / \therefore \ M$

**OR**

$(A \supset B) \bullet (C \supset D)$
$\sim B \vee \sim D \quad / \therefore \sim A \vee \sim C$

8. Translate **any five** of the following into the logical notation of propositional functions and quantifiers: (5)

सुझाए गए प्रतीकों का प्रयोग करते हुए निम्नलिखित में से **किन्हीं पांच** का तर्कवाक्य-फलन और परिमाणकों के तार्किक संकेतों में परिवर्तित करें:

i) Only salesmen are retailers. (Sx, Rx)
केवल सेल्समैन ही रिटेलर हैं।

ii) There are no pink elephants. ( Px, Lx)
कोई गुलाबी हाथी नहीं हैं।

iii) Not every visitor stayed for dinner. (Vx, Sx)
हर आगंतुक रात के खाने के लिए नहीं रुका।

iv) Executives all have secretaries. (Ex, Sx)
सभी कार्यकारी के सचिव होते हैं।

v) None but the employess may use the service elevators. (Ex, Ux)
कर्मचारी के अलावा कोई भी सेवा लिफ्ट का उपयोग नहीं कर सकता है।

vi) Nancy is not a sales clerk. (S, n)
नैन्सी सेल्स क्लर्क नहीं है।

vii) Not a single car will be repaired.
एक भी कार मरम्मत नहीं होगा।

9. Construct Formal Proof of validity of the following: (6, 4)

निम्नलिखित की वैधता का आकारिक प्रमाण तैयार करें:

(i) Only authoritarians are bureaucrats. Authoritarians are all churlish. Therefore, any bureaucrat is churlish. [Ax, Bx, Cx]
केवल सत्तावादी नौकरशाह होते हैं। सत्तावादी सब चुलबुले हैं। इसलिए, कोई भी नौकरशाह चुलबुला होता है। [Ax, Bx, Cx]

(ii) $(x)\,(Cx \supset Dx)$

$(x)\,(Ex \supset \sim Dx) \quad /\therefore\ (x)\,(Ex \supset \sim Cx)$

**OR**

$(x)\,(Lx \supset Mx)$

$(\exists x)\,(Nx \bullet \sim Mx) \quad /\therefore\ (\exists x)\,(Nx \bullet \sim Lx)$

P.T.O.

10. Prove the invalidity of **any two** of the the following by constructing a model containing of two individuals. (5+5)

दो व्यक्तियों वाले मॉडल बनाकर निम्नलिखित में से **किसी दो** की अवैधता साबित करें।

(i) $(\exists x)(Kx \bullet Lx)$

$(\exists x)(\sim Kx \bullet \sim Lx) \quad /\therefore (\exists x)(Lx \bullet \sim Kx)$

(ii) $(x)(Kx \supset \sim Lx)$

$(\exists x)(Mx \bullet Lx) \quad /\therefore (x)(Kx \supset \sim Mx)$

iii) $(x)(Qx \supset \sim Px)$

$(x)(Qx \supset Rx) \quad /\therefore (x)(Rx \supset \sim Px)$

B A (Hons) Philosophy
IV & VI Sem
June 2022